

**अभिनिर्णय** पुं. (तत्.) दे. अधिमता।

**अभिनिर्णयाधीन** पुं. (तत्.) दे. अधिमताधीन।

**अभिनिर्णायक** पुं. (तत्.) दे. जूरी। jury

**अभिनिर्देश** पुं. (तत्.) 1. किसी विवादास्पद विषय पर आधिकारिक आदेश या निर्णय प्राप्त करने के लिए उसे उपयुक्त अधिकारी के पास भेजने की क्रिया या भाव 2. किसी विषय को अभीष्ट या इष्टतम कार्यवाई के लिए सक्षम व्यक्ति या संस्था को भोजना। referral

**अभिनिविष्ट** वि. (तत्.) 1. पूरी तरह जुड़ा हुआ, तल्लीन 2. जिसे अधिकार-संपन्न किया गया हो।

**अभिनिवेश** पुं. (तत्.) 1. पूर्ण निश्चय और लगन से काम में लगने का भाव 2. संकल्प 3. लगन, मनोयोग 4. अध्यवसाय।

**अभिनिवेशित** वि. (तत्.) 1. प्रविष्ट किया हुआ 2. डुबाया हुआ 3. तल्लीन।

**अभिनिषेध** पुं. (तत्.) प्रतिबंध, प्रतिबंध लगाने वाली आज्ञा, मनाही, रोकटोक। proscription

**अभिनिष्क्रमण** पुं. (तत्.) 1. बाहर जाना, बहिर्गमन 2. बौद्ध धर्म के अनुसार संन्यास-ग्रहण हेतु गृह-त्याग।

**अभिनिष्पत्ति** स्त्री. (तत्.) 1. पूर्णता, परिपूर्णता 2. समाप्ति, अंत 3. सिद्धि।

**अभिनिष्पन्न** वि. (तत्.) 1. पूर्ण 2. समाप्त, संपन्न।

**अभिनीत** वि. (तत्.) 1. अभिनय किया हुआ, खेला हुआ (नाटक) 2. निकट लाया हुआ 3. पूर्णता को पहुँचा हुआ 4. अलंकृत 5. उचित।

**अभिनेता** पुं. (तत्.) 1. अभिनय करनेवाला 2. नाटक या सिनेमा का पात्र 3. स्वाँग दिखानेवाला।

**अभिनेत्री** स्त्री. (तत्.) 1. नाटक या सिनेमा में अभिनय करनेवाली actress 2. नटी।

**अभिनेय** वि. (तत्.) अभिनय करने योग्य, खेलने योग्य (नाटक)।

**अभिन्न** वि. (तत्.) 1. जो भिन्न या अलग न हो, अपृथक्, संबद्ध 2. घनिष्ठ, अंतरंग विलो. भिन्न।

**अभिन्नता** स्त्री. (तत्.) भेद या भिन्नता का अभाव, अपार्थक्य, घनिष्ठता।

**अभिन्यास** पुं. (तत्.) 1. किसी निर्माणाधीन भवन या योजना का खाका 2. सन्निपात ज्वर का एक रूप जिसमें नींद नहीं आती, देह काँपती है और कमजोरी हो जाती है।

**अभिन्न हृदय** वि. (तत्.) जिनका हृदय भेद रहित या एक हो, एकहृदय, अत्यंत घनिष्ठ।

**अभिपतन** पुं. (तत्.) 1. पूर्ण पतन, पूरी तरह गिरने का भाव 2. समीप आना 3. आक्रमण।

**अभिपवन** पुं. (तत्.) वायु के अनुसार दिशा वाला, वायु के सम्मुख।

**अभिपवन-पार्श्व** पुं. (तत्.) पर्वत, भवन आदि का वह भाग (पार्श्व) जिधर वायु सीधी लगती है। (अर्थात् जिस दिशा से वायु आ रही है, उस दिशा वाला भाग)।

**अभिपुष्ट** वि. (तत्.) 1. जिसकी पुष्टि हो चुकी हो, पूर्णतः समर्पित 2. अच्छी तरह से पुष्ट किया हुआ।

**अभिपुष्टि** स्त्री. (तत्.) किसी कथन, वक्तव्य आदि की सत्यता की संपुष्टि।

**अभिप्रणय** पुं. (तत्.) 1. प्रेम 2. कृपा।

**अभिप्रयोग** पुं. (तत्.) परखना, जाँच-परख करना, परीक्षण करना (संभावना के आधार पर), किसी वस्तु या परिघटना के गुणधर्म की जानकारी के लिए जाँच परख या परीक्षण trial

**अभिप्राणन** पुं. (तत्.) साँस बाहर निकालने की क्रिया, प्रश्वास।

**अभिप्राप्ति** स्त्री. (तत्.) प्रयत्न करके प्राप्त करने की क्रिया या भाव। obtaining

**अभिप्राप्य** वि. (तत्.) जिसे प्रयत्न करके प्राप्त किया जा सके।